

बच्चे का नाम - स्पर्श
पिता का नाम - राध मधुसेन

मेरे पुत्र स्पर्श का जन्म 19 अक्टूबर 2006 को पटना के कुरजी होली फ़ैमली अस्पताल में हुआ। स्पर्श माँ के गर्भ में मात्र सात महीना रहा। दिनांक 19 Oct से 24 दिसम्बर तक इन्क्यूबेटर में रहा। जन्म के समय इसका वजन मात्र 1 Kg 150 ग्राम था। जन्म के समय विसम्भ से रोया था। स्पर्श 2 1/2 वर्ष में चलना शुरू किया, परन्तु चलने के दृश सही नहीं थे। स्थानीय शहर सीतामढ़ी के अर्जुन रोग विशेषज्ञ से सलाह लिया परन्तु उनका सलाह केवल निराशा प्रदान किया। डा० भरत सिंह जो PMCH में प्रोफेसर हैं, सीतामढ़ी में दो दिन जाते हैं उनका सलाह काफी निराश किया उनके अनुसार स्पर्श CP affected है जीवन में कुछ नहीं कर पायेगा। इलाज के दौरान स्पर्श निराश ही निराश मिला। स्पर्श ~~का~~ ^{सेही} ~~उठाकर~~ ^{पेजापर} चलता था। गिर भी जाता था इस कारण उसके शिक्षा में परेशानी आती। 2013 में हमारे एक रिश्तेदार, जिनका बच्चा पाप का अभी

तिशाला में ~~अच्छा~~ चल रहा, का सलाह एक आवा के किरणकारिखाठ पड़ा। वे तिशाला एवं डा० ओके जैन Sir के बारे बतलाये। अक्टूबर 2013 में जैन Sir से स्पर्श को दिखलाया व पूरे आसक्तिवाप से उसे आम्बा कन्हा सही हो जायेगा। आप तीन महीना की योजना बनाकर इलाहाबाद आए एवं इसकी सर्जरी करवाये उसके बाद फिजियो थेरेपी करवाना होगा। नौ महीने कुड़ी की समस्या के कारण मैं 12 मई 2015 को इलाहाबाद पहुँचा। 15 मई को मेरे बच्चे की सर्जरी हुआ सर्जरी के बाद डा० अमित पाण्डे एवं डा० संजय दिवेदी सर एवं डा० मो० वाहे के द्वारा फिजियो थेरेपी हुई। मैं तिशाला के योग्य महुमाची एवं अज्ञाति डा० J. K. Jyoti Sir एवं उनके योग्य मेहनती फिजियो थेरेपी के चिकित्सक डा० इय अमित पाण्डे एवं संजय दिवेदी, Sir का शुक्रगुजार हूँ कि उनके चिकित्सा में कालिकाय शोभा के कारण मेरा बच्चा पूरा पेजा वैकॉन्स (एथे इस्करी) लगाया ^{होना से चल रहा है पुनः जयन Sir} ^{आमत Sir, संजय Sir को कहीं को-कोपी पालक/} अंत में तिशाला के सभी अम्बालियो को मेरा कोपी-कोपी पालक जिन्हे लगन से हजारों बच्चों का समुचित चिकित्सा हो रही है।

माता - कैलाशपुरी वार्डन - 11
डुमरा सीतामढ़ी किलर 843301 7870611563 P/O स्पर्श